

# CURRENT AFFAIRS

## NEWS FOR

# UPSC

## UPSC, IAS/PCS

## State Exam

## All Exam

**ABHAY Sir**

**17 Feb. 2025**



**BREAKING NEWS**



- ❖ **Topic 1:-** यूक्रेन ने अमेरिका को खनिज भंडार देने से इनकार किया
- ❖ **Topic 2:-** CBI डायरेक्टर की चयन प्रक्रिया और उपराष्ट्रपति धनखड़ का बयान
- ❖ **Topic 3:-** पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (Pinaka MBRL)
- ❖ **Topic 4:-** पराली जलाने से निपटने के उपाय – संसदीय समिति की सिफारिशें
- ❖ **Topic 5:-** भारतीय विरासत स्थलों के संरक्षण हेतु प्रयास







यूक्रेन ने अमेरिका को खनिज भंडार देने से इनकार किया

**1. जेलेंस्की का फैसला** – यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया, जिसमें यूक्रेन के खनिज भंडार में हिस्सेदारी मांगी गई थी।

**2. अमेरिका की मांग** – अमेरिका ने ग्रेफाइट, लिथियम और यूरेनियम सहित यूक्रेन के खनिज संसाधनों में 50% हिस्सेदारी की मांग रखी थी।

**3. मदद के बदले शर्त** – अमेरिका चाहता था कि अब तक दी गई सैन्य और आर्थिक मदद के बदले यूक्रेन अपने रेअर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ खनिज) को साझा करे।

**4. कोई गारंटी नहीं** – इस प्रस्ताव में यह स्पष्ट नहीं था कि 50% खनिज लेने के बाद अमेरिका भविष्य में मदद देना जारी रखेगा या नहीं।

**5. यूक्रेन का रुख** – यूक्रेन ने अपने संसाधनों की संप्रभुता बनाए रखने के लिए यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया।





**6. अमेरिकी प्रतिक्रिया** – अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने इस निर्णय की जानकारी सार्वजनिक की।

❖ **यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी कीव यात्रा और प्रस्ताव**

❖ मुलाकात की तारीख: 12 फरवरी

❖ अधिकारी: अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट

❖ **स्थान:** कीव, यूक्रेन

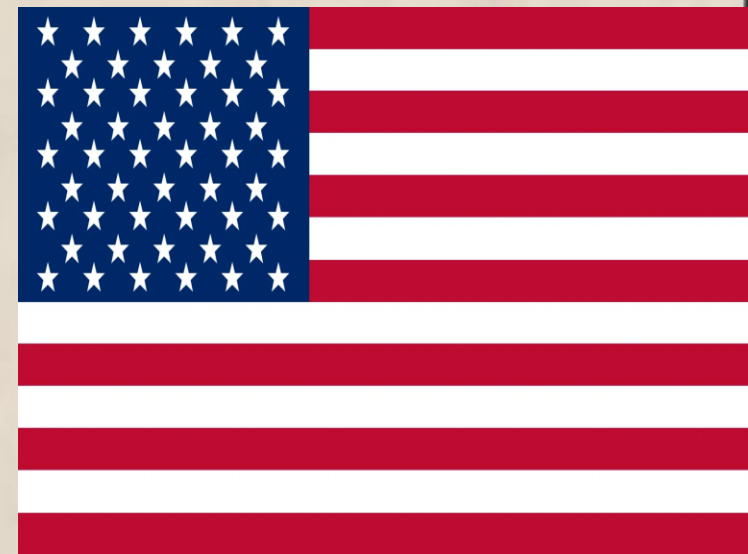
❖ यूक्रेनी राष्ट्रपति: वोलोडिमिर जेलेंस्की

❖ **प्रस्ताव का सारांश**

❖ अमेरिका ने यूक्रेन के आधे खनिज संसाधनों पर अधिकार की मांग की।

❖ इसमें तेल और गैस जैसे प्राकृतिक संसाधन भी शामिल थे।

❖ डील के तहत अमेरिका को इन संसाधनों से होने वाली आधी कमाई पर हक मिल जाता।

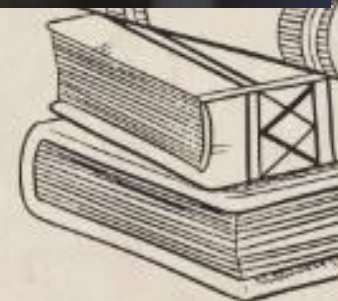


## ❖ जेलेंस्की का इनकार और कारण

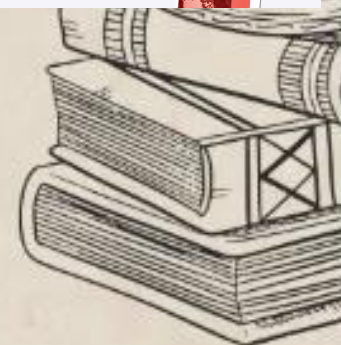
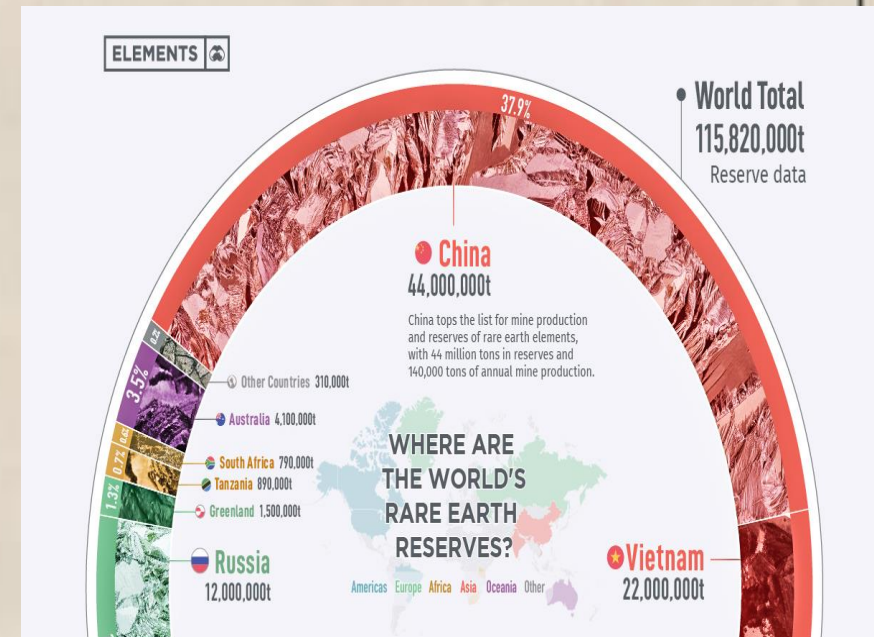
- ❖ जेलेंस्की ने यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया ।
- ❖ मुख्य कारण: कोई सुरक्षा गारंटी नहीं दी गई कि अमेरिका रूस के खिलाफ यूक्रेन की मदद जारी रखेगा ।

## ❖ अन्य जानकारी

- ❖ यह ट्रम्प प्रशासन के किसी अधिकारी की पहली यूक्रेन यात्रा थी ।
- ❖ यूक्रेनी अधिकारी और एनर्जी एक्सपर्ट के अनुसार, अमेरिका यूक्रेन के संसाधनों पर बड़ा नियंत्रण चाहता था ।
- ❖ ट्रम्प का यूक्रेन से रेयर अर्थ मटेरियल को लेकर समझौते पर बयान (3 फरवरी)
- ❖ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे यूक्रेन से युद्ध में मदद जारी रखने के बदले रेयर अर्थ मटेरियल पर एक समझौता करना चाहते हैं ।



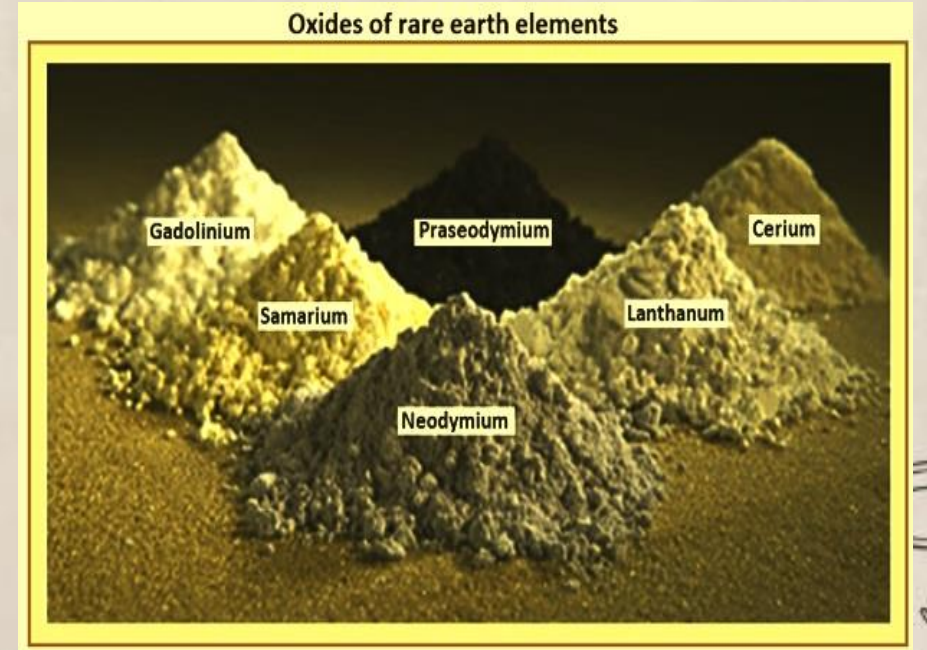
- ❖ उन्होंने बताया कि अमेरिका ने यूक्रेन को अपने यूरोपीय सहयोगियों की तुलना में अधिक सैन्य और आर्थिक सहायता दी है।
- ❖ ट्रम्प के अनुसार, यूक्रेनी सरकार अमेरिका के साथ रेयर अर्थ मटेरियल को लेकर समझौते के लिए तैयार है।
- ❖ उन्होंने कहा कि अमेरिका आधुनिक तकनीकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए इन संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है।
- ❖ ट्रम्प ने जोर दिया कि यूक्रेन में उच्च गुणवत्ता वाले रेयर अर्थ मटेरियल हैं, जिनकी सुरक्षा महत्वपूर्ण है।
- ❖ रेयर अर्थ मटेरियल और इसका उपयोग
- ❖ रेयर अर्थ मटेरियल 17 दुर्लभ धातुओं का समूह है।





❖ रेयर अर्थ मटेरियल :- इनकी संख्या 17 है :-

- |                |                  |
|----------------|------------------|
| 1.सेरियम       | 2.प्रेसियोडीमियम |
| 3.डिस्प्रोसियम | 4.प्रोमैथियम     |
| 5.अर्बियम      | 6.समैरियम        |
| 7.युरोपियम     | 8.स्कैंडियम      |
| 9.गैडोलीनियम   | 10.टेरबियम       |
| 11.होल्मियम    | 12.थ्यूलियम      |
| 13.लैंथेनम     | 14.येटरबियम      |
| 15.ल्यूटेटियम  | 16. येट्रियम     |
| 17.नियोडिमियम  |                  |



ट्रम्प और पुतिन के मंत्री अगले हफ्ते रूस-यूक्रेन युद्ध पर करेंगे चर्चा

1. बैठक का स्थान: सऊदी अरब में ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन के तीन विदेश नीति सलाहकार रूसी अधिकारियों से मिलेंगे ।
2. उद्देश्य: रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने का संभावित समाधान निकालना ।
3. ट्रम्प-पुतिन वार्ता: 12 फरवरी को ट्रम्प और पुतिन के बीच फोन पर चर्चा हुई थी ।





4. **ट्रम्प का बयान:** ट्रम्प ने कहा कि युद्ध रोकने को लेकर बातचीत सऊदी अरब में होगी।
5. **जेलेंस्की की प्रतिक्रिया:** उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि यूक्रेन से जुड़ी कोई भी बातचीत उनकी मौजूदगी के बिना नहीं होनी चाहिए।

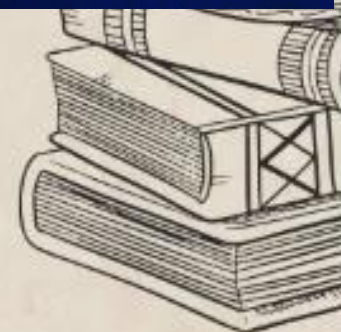
❖ **रूस के साथ जमीन अदला-बदली को तैयार जेलेंस्की**

1. **शांतिवार्ता की संभावना:** 11 फरवरी को जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध रोकने के लिए यूक्रेन, रूस के साथ जमीन की अदला-बदली पर विचार कर सकता है।
2. **ब्रिटिश मीडिया को बयान:** "द गार्जियन" को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने यह संकेत दिया।
3. **ट्रम्प की भूमिका:** उन्होंने कहा कि अगर ट्रम्प रूस और यूक्रेन को एक मंच पर ला पाते हैं, तो यह संभव हो सकता है।
4. **अमेरिकी मदद पर निर्भरता:** जेलेंस्की ने माना कि बिना अमेरिका की मदद के यूक्रेन युद्ध नहीं लड़ सकता।
5. **यूरोप की भूमिका:** उन्होंने कहा कि केवल यूरोप यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, अमेरिका की भूमिका जरूरी है।



## ❖ ट्रम्प का बयान - 'बेतुकी जंग को खत्म करने जा रहे हैं'

- 1. युद्ध समाप्ति पर जोर:** ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने के लिए चर्चा जारी है और जल्द ही युद्ध समाप्त होगा।
- 2. रूस-यूक्रेन वार्ता:** उन्होंने दावा किया कि इस मामले में काफी प्रगति हुई है और भविष्य की घटनाओं पर नजर रखी जा रही है।
- 3. अमेरिकी मदद:** जंग शुरू होने के बाद से अमेरिका यूक्रेन को करीब 63 अरब डॉलर (5.45 लाख करोड़ रुपए) की सहायता दे चुका है।
- 4. चुनावी वादा:** ट्रम्प अपने चुनाव प्रचार में भी एक दिन में यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात कह चुके हैं।
- 5. योजना का खुलासा नहीं:** हालांकि, उन्होंने इसे कैसे समाप्त किया जाएगा, इस पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।





## ❖ रेयर अर्थ मटेरियल (Rare Earth Materials) –

- ❖ रेयर अर्थ मटेरियल (REM) या रेयर अर्थ एलिमेंट्स (REE) वे रासायनिक तत्व होते हैं, जो पृथ्वी की सतह पर सीमित मात्रा में पाए जाते हैं और औद्योगिक एवं तकनीकी दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं।
- ❖ ये तत्व मुख्य रूप से उच्च-तकनीकी उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा उत्पादन, रक्षा और चिकित्सा में उपयोग किए जाते हैं।

## ❖ रेयर अर्थ मटेरियल क्या होते हैं?

- ❖ रेयर अर्थ मटेरियल, रासायनिक रूप से लैन्थेनाइड (Lanthanides) समूह के तत्व होते हैं, जिनमें स्कैंडियम (Scandium) और इट्रियम (Yttrium) भी शामिल होते हैं क्योंकि इनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताएँ लैन्थेनाइड्स के समान होती हैं। कुल 17 रेयर अर्थ तत्व होते हैं:



1. लैन्थेनम (La)
2. सेरियम (Ce)
3. प्रसीओडाइमियम (Pr)
4. नियोडाइमियम (Nd)
5. प्रॉमेथियम (Pm)
6. समेरियम (Sm)

### ❖ भारी रेयर अर्थ तत्व (HREE – Heavy Rare Earth Elements)

1. यूरोपियम (Eu)
2. गेडोलिनियम (Gd)
3. टर्बियम (Tb)
4. डाइसप्रोसियम (Dy)
5. होल्मियम (Ho)
6. एर्बियम (Er)
7. थुलियम (Tm)
8. यिटेरबियम (Yb)
9. लुटेटियम (Lu)
10. स्कैंडियम (Sc)
11. इट्रियम (Y)

### रेयर अर्थ मटेरियल का महत्व-

1. इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग: स्मार्टफोन, लैपटॉप, एलईडी डिस्प्ले, और बैटरियों में प्रयोग।





2. **नवीकरणीय ऊर्जा:** विड टर्बाइन और सौर पैनलों में महत्वपूर्ण घटक ।
3. **विद्युत वाहन (EV):** इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों और मोटरों में उपयोग ।
4. **रक्षा एवं अंतरिक्ष:** मिसाइल, सैटेलाइट, रडार और जेट इंजन में आवश्यक ।
5. **चुंबकीय गुण:** अत्यधिक मजबूत और हल्के चुंबकों के निर्माण में सहायक ।

#### ❖ रेयर अर्थ तत्वों के प्रमुख उत्पादक देश

1. चीन – विश्व में लगभग 60% उत्पादन
2. संयुक्त राज्य अमेरिका
3. ऑस्ट्रेलिया
4. म्यांमार
5. भारत (सीमित मात्रा में उत्पादन)

#### भारत में रेयर अर्थ मटेरियल-

भारत में रेयर अर्थ मटेरियल मुख्य रूप से मोनाजाइट (Monazite) नामक खनिज से प्राप्त होते हैं ।



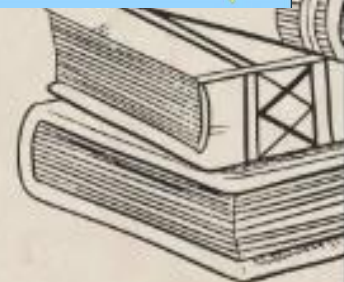
## ❖ मुख्य भंडार क्षेत्र:

1. केरल
2. तमिलनाडु
3. आंध्र प्रदेश
4. ओडिशा
5. झारखंड
6. राजस्थान

## ❖ संस्थाएँ:

❖ इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (IREL) – भारत सरकार की सार्वजनिक कंपनी, जो रेयर अर्थ उत्पादन एवं शोध कार्यों को संभालती है।

❖ भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) – परमाणु ऊर्जा में रेयर अर्थ तत्वों के उपयोग पर कार्य करता है।





## ❖ चुनौतियाँ और भारत के लिए रणनीति

### ❖ चुनौतियाँ:

1. पर्यावरणीय प्रभाव: इनका निष्कर्षण और प्रसंस्करण पर्यावरणीय क्षति कर सकता है।
2. प्रौद्योगिकीय सीमाएँ: भारत में परिष्करण (Refining) तकनीक अभी सीमित है।
3. चीन की निर्भरता: वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन का वर्चस्व है।

### ❖ रणनीति:

1. घरेलू उत्पादन बढ़ाना
2. वैश्विक साझेदारी विकसित करना
3. रीसाइक्लिंग तकनीकों पर निवेश करना
4. नीतिगत सुधार और अनुसंधान को बढ़ावा देना



❖ यूक्रेन से लगे देश:

❖ यूक्रेन की सीमा कुल 7 देशों से मिलती है:

1. रूस (पूर्व और उत्तर-पूर्व)
2. बेलारूस (उत्तर)
3. पोलैंड (पश्चिम)
4. स्लोवाकिया (पश्चिम)
5. हंगरी (पश्चिम)
6. रोमानिया (दक्षिण-पश्चिम)
7. मोल्दोवा (दक्षिण-पश्चिम)

❖ यूक्रेन से लगे प्रमुख जल क्षेत्र:

- ❖ 1. काला सागर (Black Sea) – दक्षिण में स्थित, यह यूक्रेन को समुद्री व्यापार और रणनीतिक महत्त्व प्रदान करता है।
- ❖ 2. आज़ोव सागर (Sea of Azov) – काला सागर से जुड़ा एक छोटा सागर, जो यूक्रेन और रूस के बीच स्थित है।





❖ रूस से लगे देश और जल क्षेत्र

❖ रूस दुनिया का सबसे बड़ा देश है और इसकी सीमाएँ 14 देशों और कई महत्वपूर्ण जल क्षेत्रों से लगती हैं।

❖ रूस की सीमाएँ निम्नलिखित 14 देशों से मिलती हैं:

❖ (i) यूरोप में

1. नॉर्वे

3. एस्टोनिया

5. लिथुआनिया

7. बेलारूस 8. यूक्रेन

2. फिनलैंड

4. लातविया

6. पोलैंड (कैलिनिनग्राद एन्क्लेव के माध्यम से)

❖ (ii) एशिया में

9. जॉर्जिया

11. कजाखस्तान

13. मंगोलिया

10. अज़रबैजान

12. चीन

14. उत्तर कोरिया



## ❖ 2. रूस से जुड़े प्रमुख जल क्षेत्र:

### ❖ (i) आर्कटिक महासागर से जुड़े सागर (उत्तरी तट पर)

1. बैरेंट्स सागर (Barents Sea)
2. कारा सागर (Kara Sea)
3. लाप्टेव सागर (Laptev Sea)
4. ईस्ट साइबेरियन सागर (East Siberian Sea)
5. चुकची सागर (Chukchi Sea)

### ❖ (ii) प्रशांत महासागर से जुड़े सागर (पूर्वी तट पर)

6. बेरिंग सागर (Bering Sea)
7. ओखोट्स्क सागर (Sea of Okhotsk)
8. जापान सागर (Sea of Japan).

### (iii) अटलांटिक महासागर से जुड़े सागर (पश्चिमी तट पर)

9. बाल्टिक सागर (Baltic Sea) – रूस का सेंट पीटर्सबर्ग बंदरगाह इसी सागर के पास स्थित है।

### (iv) काला सागर क्षेत्र (दक्षिणी तट पर)

10. काला सागर (Black Sea) – रूस और यूक्रेन के बीच एक महत्वपूर्ण सामरिक क्षेत्र।
11. आज़ोव सागर (Sea of Azov) – काला सागर से जुड़ा हुआ, रूस और यूक्रेन के बीच स्थित।





❖ प्रश्न : निम्नलिखित में से कौन-से दुर्लभ मृदा तत्व (Rare Earth Elements) हैं?

1. सेरियम (Cerium)
2. लैंथेनम (Lanthanum)
3. थोरियम (Thorium)
4. नियोडाइमियम (Neodymium)

कूट:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 3 और 4
- (d) सभी



**CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**  
**INDIA**



**CBI डायरेक्टर की चयन प्रक्रिया और उपराष्ट्रपति धनखड़ का बयान**



### ❖ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बयान:

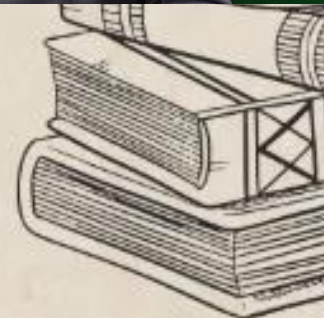
- ❖ उपराष्ट्रपति ने सवाल उठाया कि CBI डायरेक्टर और अन्य बड़े अधिकारियों (जैसे चीफ इलेक्शन कमिश्नर) के चयन में CJI (मुख्य न्यायाधीश) की भूमिका क्यों है।
- ❖ उन्होंने न्यायिक सक्रियता और न्यायिक अतिक्रमण के बीच की बारीक रेखा पर चिंता जताई।
- ❖ धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र में इस व्यवस्था की समीक्षा की जानी चाहिए।
- ❖ उन्होंने इसे पुरानी प्रणाली का परिणाम बताया और बदलाव की जरूरत पर जोर दिया।

### ❖ CBI डायरेक्टर की नियुक्ति प्रक्रिया:

- ❖ कानूनी आधार: दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1946 के आर्टिकल 4ए के तहत नियुक्ति होती है।

### ❖ चयन समिति: तीन सदस्यीय कमेटी चयन करती है—

- ❖ 1. प्रधानमंत्री (PM)
- ❖ 2. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष
- ❖ 3. भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI)





- ❖ **मंजूरी:** चयन के बाद CBI डायरेक्टर की नियुक्ति को सरकार मंजूरी देती है।
- ❖ **कार्यकाल:** CBI डायरेक्टर का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे बढ़ाया भी जा सकता है।
  
- ❖ **विवाद और बहस:**
  - ❖ न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाने वाले इसे कार्यपालिका का विशेषाधिकार मानते हैं।
  - ❖ समर्थकों का कहना है कि CJI की उपस्थिति से निष्पक्षता बनी रहती है।
  - ❖ उपराष्ट्रपति के बयान से इस व्यवस्था में बदलाव की संभावना पर चर्चा तेज हो सकती है।
  - ❖ CBI डायरेक्टर और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव
  - ❖ CBI डायरेक्टर और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया पहले समान थी
  - ❖ दोनों पदों के लिए तीन सदस्यीय चयन समिति होती थी।
  - ❖ समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और CJI (मुख्य न्यायाधीश) शामिल थे।
  - ❖ सरकार ने चुनाव आयुक्त की चयन प्रक्रिया में बदलाव किया, लेकिन CBI डायरेक्टर की प्रक्रिया अभी भी पुरानी है।
  
- ❖ **सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पहले चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया**
  1. कोई विशेष कानून नहीं था



- ❖ मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति के लिए कोई अलग कानून नहीं था।
- ❖ पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार के नियंत्रण में थी।

## 2. अधिकारियों की सूची तैयार होती थी

- ❖ सचिव स्तर के मौजूदा या रिटायर्ड अधिकारियों की एक सूची बनाई जाती थी।
- ❖ इस सूची में कभी-कभी 40 तक नाम शामिल होते थे।

## 3. तीन नामों का चयन

- ❖ सूची में से तीन नामों को छांटा जाता था।
- ❖ प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति इन नामों पर विचार करते थे।

## 4. प्रधानमंत्री की सिफारिश

- ❖ प्रधानमंत्री पैनल में शामिल अधिकारियों से चर्चा करके एक नाम को राष्ट्रपति के पास भेजते थे।
- ❖ इसके साथ एक नोट भी भेजा जाता था, जिसमें चयन का कारण बताया जाता था।



## 5. कार्यकाल और पदस्थापना

- ❖ चुने गए व्यक्ति का कार्यकाल 6 साल या 65 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक होता था।
- ❖ सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) नियुक्त किया जाता था।

## ❖ CJI को पैनल से हटाने पर विवाद – 3 मुख्य बिंदु

### 1. सुप्रीम कोर्ट का आदेश (2 मार्च 2023)

- ❖ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयुक्त की चयन समिति में CJI को शामिल करना अनिवार्य है।
- ❖ पहले सिर्फ केंद्र सरकार ही चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करती थी।

### 2. सरकार का नया कानून (21 दिसंबर 2023)

- ❖ केंद्र सरकार ने CEC और EC की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से जुड़ा नया बिल पेश किया।
- ❖ इस बिल में CJI को हटाकर कैबिनेट मंत्री को शामिल कर दिया गया।
- ❖ अब प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेंगे।
- ❖ शीतकालीन सत्र 2023 में दोनों सदनों में बिल पारित हुआ।





### 3. विपक्ष की आपत्ति और सुप्रीम कोर्ट में मामला

- ❖ विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को कमजोर कर रही है।
- ❖ कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।
- ❖ सुप्रीम कोर्ट में इस याचिका पर 19 फरवरी 2025 को सुनवाई होगी।
- ❖ इससे पहले 12 फरवरी को सुनवाई होनी थी, लेकिन केस लिस्ट नहीं हुआ था।
- ❖ वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटीश्वर सिंह की बेंच के सामने मामला उठाया।



प्रश्न : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सीबीआई भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के अंतर्गत कार्य करता है।
2. सीबीआई की स्थापना संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत की गई थी।
3. सीबीआई को किसी राज्य में जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकार की सहमति की आवश्यकता होती है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) सभी





पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (Pinaka MBRL)



❖ पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (Pinaka MBRL) एक स्वदेशी रूप से विकसित रॉकेट आर्टिलरी प्रणाली है, जिसे भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है।

❖ यह प्रणाली भारतीय सेना के लिए बनाई गई है और पारंपरिक तथा आधुनिक युद्धक्षेत्र में दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है।

### ❖ मुख्य विशेषताएँ:

1. प्रकार: मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL)

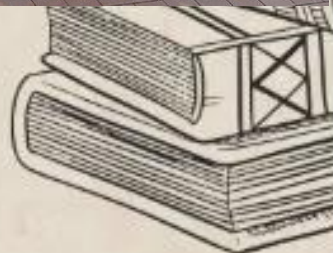
2. निर्माता: DRDO और निजी भारतीय कंपनियाँ (लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स आदि)

### 3. मारक क्षमता:

❖ पिनाका मार्क-I: 40 किमी

❖ पिनाका मार्क-II: 60–75 किमी

❖ पिनाका मार्क-III: 90–120 किमी (विकासाधीन)



4. **रॉकेट ट्यूब्स:** एक बैटरी में 6 लॉन्चर होते हैं, प्रत्येक में 12 ट्यूब्स होती हैं।
5. **गति:** एक बार में 44 सेकंड के अंदर 12 रॉकेट दाग सकता है।
6. **वारहेड्स:** विभिन्न प्रकार के विस्फोटक, क्लस्टर बम, थर्मोबैरिक और उच्च-विस्फोटक वारहेड्स।
7. **स्वचालित प्रणाली:** यह स्वचालित टारगेटिंग और फायर कंट्रोल सिस्टम से लैस है।
8. **मोबिलिटी:** यह 8×8 ट्रक प्लेटफॉर्म पर लगाया जाता है, जिससे यह ऊबड़-खाबड़ इलाकों में भी तेजी से मूव कर सकता है।

#### ❖ इतिहास और विकास:

- ❖ पिनाका को 1980 के दशक में सोवियत यूनियन के BM-21 ग्रेड रॉकेट सिस्टम की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था।
- ❖ 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था।
- ❖ भारतीय सेना द्वारा इसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है और वर्तमान में इसका पिनाका-II और पिनाका-III संस्करण विकसित किया जा रहा है।



❖ **अन्य विशेषताएँ:**

- ❖ यह दुश्मन के रडार को चकमा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ❖ रॉकेट्स को निर्देशित करने के लिए GPS और INS (Inertial Navigation System) तकनीक का उपयोग किया जाता है।
- ❖ पिनाका रॉकेटों को भविष्य में सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों में विकसित किया जा सकता है।





प्रश्न : पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारतीय सेना के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है।
2. पिनाका प्रणाली मुख्य रूप से टैंक रोधी (anti-tank) भूमिका के लिए डिज़ाइन की गई है।
3. यह परंपरागत उच्च-विस्फोटक वारहेड के अलावा क्लस्टर म्यूनिशन और गाइडेड रॉकेट लॉन्च करने में सक्षम है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3





पराली जलाने से निपटने के उपाय – संसदीय समिति की सिफारिशें



## 1. एकीकृत राष्ट्रीय नीति

- ❖ कृषि अवशेषों को जैव ऊर्जा उत्पादन में बदलने के लिए समग्र नीति तैयार हो ।
- ❖ फसल अवशेष प्रबंधन की बाह्य-स्थाने (Ex-situ) लागत का समाधान किया जाए ।
- ❖ पराली को बायो इथेनॉल, कंप्रेस्ड बायोगैस, बायोमास पेलेट्स आदि में बदलने के लिए नई तकनीकों को अपनाया जाए ।

## 2. आर्थिक प्रोत्साहन

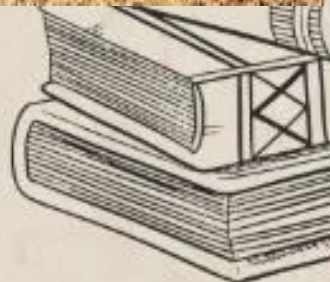
- ❖ किसानों को पराली के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) दिया जाए ।

## 3. प्रशासनिक सुधार

- ❖ गलत या विवादित चालान से जुड़ी किसानों की शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के लिए विशेष प्राधिकरण नियुक्त किया जाए ।

## 4. पर्यावरणीय मुआवजा (Environmental Compensation - EC)

- ❖ "प्रदूषक भुगतान करे" सिद्धांत के तहत लागू किया जाए ।
- ❖ किसानों पर लगाए जाने वाले EC की समीक्षा एवं न्यायसंगत क्रियान्वयन किया जाए ।





## 5. टिकाऊ समाधान

- ❖ कृषि अवशेष प्रबंधन को स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से जोड़ने पर बल दिया जाए।
- ❖ पराली जलाने के वैकल्पिक तरीकों को प्रोत्साहित किया जाए।

## 6. फसल चक्र एवं विविधीकरण

- ❖ कम अवधि में पकने वाली धान की किस्मों (जैसे PR-126) की खेती को बढ़ावा दिया जाए।
- ❖ फसल विविधीकरण योजना के प्रभावों का नियमित आकलन किया जाए।

## 7. कृषि निगरानी और पूर्वानुमान प्रणाली

- ❖ फसल के रकबे (Acreage) की रियल-टाइम मैपिंग की जाए।
- ❖ फसल की परिपक्वता और मौसम की सटीक भविष्यवाणी प्रणाली विकसित की जाए।

## 8. कृषि अवशेष प्रबंधन

- ❖ फसल अवशेषों के अस्थायी भंडारण के लिए विभिन्न जिलों में अंतरिम भंडारण सुविधाएं स्थापित की जाएं।

## 9. पर्यावरणीय मुआवजा फंड का उपयोग

- ❖ संधारणीय (Sustainable) कृषि को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरणीय मुआवजा फंड का प्रभावी उपयोग किया जाए।



**Q. भारत में पराली जलाने (Stubble Burning) और उससे उत्पन्न पर्यावरण प्रदूषण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

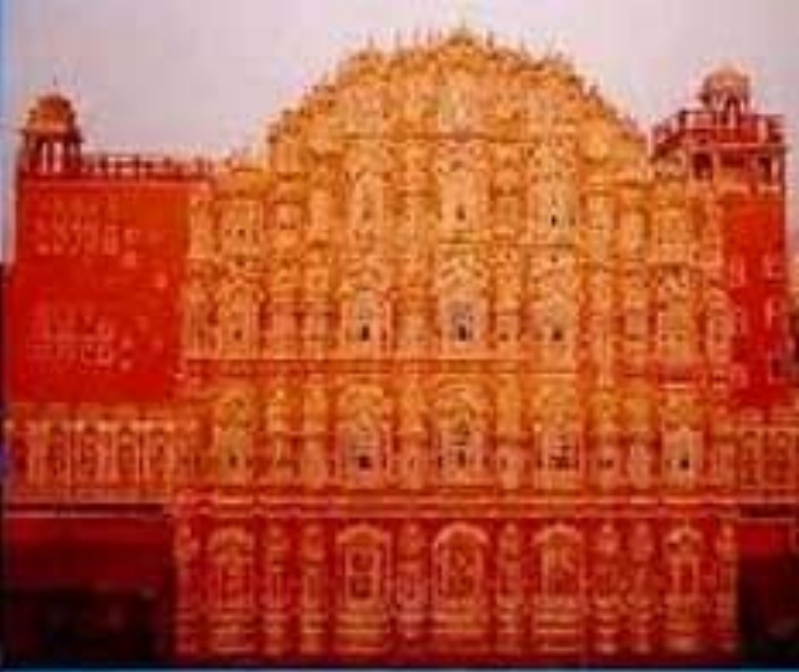
- 1. पराली जलाने से वायु में PM2.5 और PM10 जैसे सूक्ष्म कण बढ़ते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।**
- 2. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी राज्यों पर है।**
- 3. पराली जलाना केवल पंजाब और हरियाणा की समस्या है, अन्य राज्यों में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता।**

**उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

- (A) केवल 1 और 2**
- (B) केवल 2 और 3**
- (C) केवल 1 और 3**
- (D) 1, 2 और 3**







भारतीय विरासत स्थलों के संरक्षण हेतु प्रयास



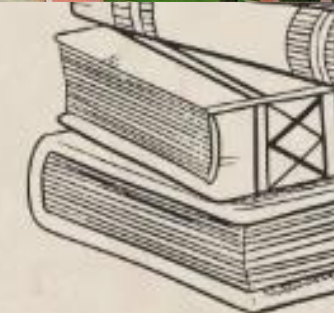
## ❖ 1. पर्यावरणीय क्षति से रक्षा

- ❖ वैज्ञानिक तकनीकें: रासायनिक, जैव-रोधी (Biocidal) और जल-प्रतिरोधी (Hydrophobic) तकनीकों का उपयोग।
- ❖ मौसम निगरानी: ISRO के सहयोग से स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS) की स्थापना।
- ❖ प्रदूषण नियंत्रण: ताजमहल जैसे स्मारकों पर वायु प्रदूषण निगरानी प्रयोगशालाएं।
- ❖ आपदा प्रबंधन: NDMA और ASI द्वारा आपदा जोखिम मूल्यांकन और पुनर्प्राप्ति योजनाएं।

## 2. कानूनी और सुरक्षा उपाय

### ❖ कानूनी संरक्षण:

- ❖ प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत विरासत स्थलों को संरक्षित किया जा रहा है।
- ❖ अधिनियम की धारा 30 के तहत स्मारकों को नुकसान पहुंचाने पर दंड का प्रावधान।



- ❖ अतिक्रमण रोकथाम:
- ❖ सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 के तहत अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी करने का अधिकार।
- ❖ सुरक्षा बलों की तैनाती:
- ❖ CISF (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) को विरासत स्थलों पर तैनात किया गया।

### 3. राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014

- ❖ इस नीति का उद्देश्य स्मारकों का रखरखाव और संरक्षण सुनिश्चित करना।
- ❖ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के बारे में
- ❖ इसकी स्थापना 1861 में की गई थी।
- ❖ इसे राष्ट्रीय महत्त्व के पुरातात्विक स्थलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- ❖ कार्य-संचालन: यह निम्नलिखित कानूनों के तहत अपने दायित्वों को निभाता है:
- ❖ प्राचीन संस्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904; तथा
- ❖ प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958.



Q. भारतीय विरासत स्थलों (Heritage Sites) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. युनेस्को (UNESCO) द्वारा विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Sites) को सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।
2. भारत में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान को मिश्रित (Mixed) श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है।
3. भीमबेटका गुफाएँ भारत की सबसे पुरानी मानव बसाहटों में से एक मानी जाती हैं और इसे एक सांस्कृतिक विरासत स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 3
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 2
- (D) 1, 2 और 3





# THANK YOU



@resultmitra / 8650457000



@resultmitra



@resultmitra

